Name: _____ Date: _____

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 लेखक का मन कभी - कभी क्यों बैठ जाता है?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-3 निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या - क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे - "ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" परिणाम - भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

१. "सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।" - _____

२. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल - फूल रहे हैं।" - _____

३. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" - _____

https://educationwithfun.com

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर जब व्यक्ति दूसरों के दोषों में रस (आनंद) लेने लगते हैं। तथा केवल व्यक्ति के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करना ही अपना कर्तव्य समझते हैं। एवं उनकी अच्छाईयों को पूरी अनदेखा कर देते हैं तब दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरा रूप ले सकता है। क्योंकि तब मनुष्य केवल और केवल अन्य व्यक्तियों के दुर्गुणों को ही देखता है और दूसरों को भी दिखता है।

प्रश्न-2 लेखक का मन कभी - कभी क्यों बैठ जाता है?

उत्तर समाचार - पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप -प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है, देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर हैं उनमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं। यह सब देखकर लेखक का मन बैठ जाता है।

प्रश्न-3 निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या - क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे - "ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" परिणाम - भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

१. "सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।" - तानाशाही बढ़ेगी

२. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल - फूल रहे हैं।" - भ्रष्टाचार बढ़ेगा

३. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" - अविश्वास बढ़ेगा

https://educationwithfun.com